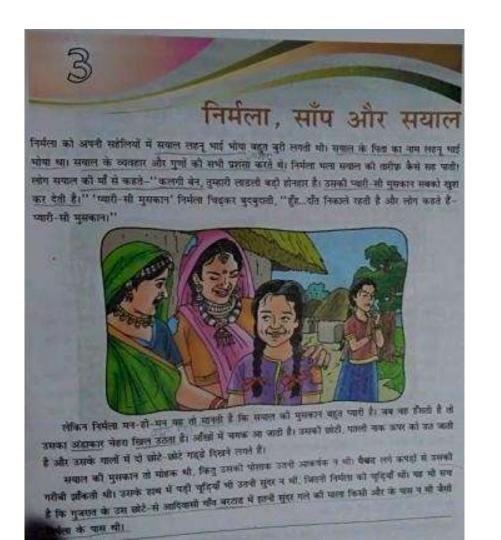
डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल,ब्रहमपुर

कक्षा-सातवीं विषय-हिंदी पुस्तक-ज्ञान सागर

पाठ-३ : निर्मला,साँप और सयाल लेखक - सिगरून श्रीवास्तव

PRESENTED BY: MRS.K.GEETA RAO

LN-३ निर्मला,साँप और सयाल



समात कुर्राच और विशेष्क में भी निर्माण में आगे हैं। निर्माण इसलिए भी समाल में चिदली हैं। समाल को स्कूल क्षाप अपना लगात है और निर्माल सरदम इस स्टेंक की लाम में रहती है कि म्कूल सोदकर सोती में जाने को प्रिक बाए "ज्ञिल, निर्मेण" प्रांपदी के अंदर में उसकी के पुकारती है। !'आरं आन क्य गए, धूप चत्र आई और मसेलियों को प्रश्ने से जाने वाला कोई नहीं है। वा बेटा, वा लाह ह था। स्था स्कूल किसी और दिन थली जाना।" रिकोला खुलों से उक्तल पड़ी और मचीलयां को श्रीकते हुए गाँव के भून भी गरने पर चन पड़ी। क्या कार्याय की दूरी का कार के बार निमंदा जंगत की और मुद्द गई। वहीं कुछ ही दूरी पर योडी से कुछ हां क्या के जहाँ सर्वशी अग्राम में चग्राए क सकते थे। अवस्था की यह जीर में गुम्मह होकर बहुबहुई। कारम यह या कि जिस वरमह के यह जी छापा में उत्तक अहरा था वहीं आन कोई कैस था। पेद के तर से टिजी चीत रेखका ही वह समझ माँ कि वह समान है। न्यमं को परियों को आवार सुनकर सायल ने इपर-उधर देखा। यह निर्मल को देखकर बहुत खुर हुई और हार्ने विलाकर नमें कुलाने लगी-"य निर्माल, इधर आ जा, प्राप्त में।" लेकिन संवाल की उपेक्षा करती हां निर्माण की son fewn ne निर्माण के मानेशी नरम भाग खोजने के लिए विश्वार गए। निर्माण इधर-उधर देखकर योगने लगी कि वह विश्वी जाकर बैटे। आधिक उसने एक छाड़ी ऐस्त्रों, विस्त्रको छाना में यह बैट सकतो मी। यह पूटनों के बरावर अँबी ^{सूक्त} के बीच में से होती हुई वहाँ पहुँच गई।

निर्मला, साँप और सयाल

शब्दार्थ

- 1. सहेली सखी
- 2. व्यवहार Behaviour
- 3. 項可 Quality
- 4. प्रशंसा तारीफ़
- 5. तारीफ़ बड़ाई
- 6. लाडली दुलारी, प्यारी
- 7. होनहार मेधावी
- 8. मुसकान स्मित, Smile
- 9. अंडाकार Egg Shape
- 10. मोहक मोहने वाला
- 11. पोशाक वस्त्र, अंबर
- 12. आकर्षक Attractive

- 13. पैबंद फटे कपड़े को सीने का एक तरीका
- 14. गरीबी दरिद्रता, Poverty
- 15. चूड़ियाँ Bangles
- 16. आदिवासी Aboriginal
- 17. विवेक बुद्धि
- 18. हरदम हमेशा
- 19. मौका अवसर
- 20. ताक तलाश
- 21. मवेशी Cattle
- 22. फर्लांग 40 पोल(1 पोल= 5.5 गज़)
- 23. बरगद Banyan
- 24. उपेक्षा Underestimate
- 25. प्राण सूखना मुहावरा डर जाना
- 26. फ़ीट Feet
- 27. लंबा Long

कार्य प्रपत्र-1,

निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए

- १.निर्मला की सहेली का क्या नाम था ?
- २.लोग सयाल की प्रशंसा क्यों करते थे ?
- ३.सयाल के पिता का नाम क्या था?
- ४.सयाल की गरीबी का पता कैसे चलता है ?

- ५. सयाल कहाँ रहती थी ?
- ६.सयाल की माता का नाम क्या था ?
- ७.निर्मला की माला कैसी थी ?
- ८.निर्मला सयाल से क्यों चिढती थी?
- ९.सयाल का चेहरा कैसा था ?

LN-3, पृष्ठ - सत्रह, अठारह



वार्त से भागने का नतास भी र कर संकी। यह चोलना चारतों थी, या भंग ने नामण उसको विक्यी बीच गई थी।

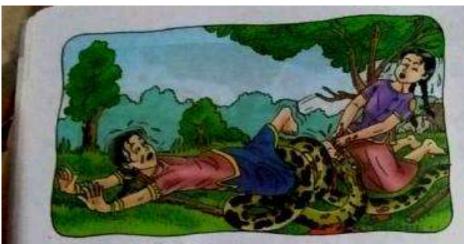
अधानक सारि जन्मना। यह बादे गृहसे से फिर फुफकारा। निर्माण ने अपनी जिल्ली में ऐसा भारतक दृश्य न कारी. रेखा चा न कभी सुना चा। अभानक अजगर का थिए आगे को बहा और माथ ही साथ उसने हैंव भी उठाई। बनक क्षपण्डत की निर्माल का पुरना जसकी कुदलों में पीस शुका था और उसने अपने जबही में रिमेला का पण पकड़ लिख था। सींघ की सद्या प्रकट से निर्मन्त को लगा कि उसकी बर्दांडर्थी ना-पूर से जागेग। इसे लग कि अब यह मर जाएगी। वह एकएम से निस्ता पटी-"ववाओ...ववाओ...

विभारत में साँच को क्राट्सारने की कोईशार की, लेकिन उस कुने की भी हिस्सा न कर सकी। साँच उसके मेर

में कुळली मारका लिपटा हुआ था। अध्यनक गाँव पा किसी ने लाती से छ। किया। यह अमल्य संकात ने किया था। मीप गृहते से जिल्लीयल बता। फिर भी उसने अपनी पणड ने सांबी।

"कुछ नहीं होगा। प्रवराओं नहीं " अवाल विक्ताई और बड़ो निभीकता ।। और को कुडली खोलरे को

france can be soon), perfere fure entire कारिकाम में लाग गार्च।



"मूझे इसका सारा पात रहा है," विमीला विश्वनाती।

"अरे का अवगर है। इसके दहर नहीं होता," सफल बोली।

"'लेकिन में हो हिल हो नहीं सकते।"

"तुन दरी हुई हो। घबराओं मह...कांबा भात रहो। मैं तुन्हारी मदद के लिए हैं न।"

अब तब लड़ी में काम नहीं बर रहा था. इसलिए संपाल ने अपने हाथों से इस देख में लड़ने का निश्चय किया। रमने अवणा का दुँह एकदा और उसके वचहें खोलने लगी।

निर्मात ने भी अपनी पोड़ा को महने के लिए सहास बटोग। यह टकटकी लगाकर संगात को देख रही थी। प्रचल ने रोतों को धींच रखा था और अजगर के मुँह में हाथ डालकर उसके जबहे फैलाने की पूरी कोशिश कर को की उसके सब्दें से प्रमीय का रहा था और हाथों से खुन। निर्माल एक धूण के लिए समझ हरे नहीं पार कि कृत उसके के से बढ़ रहा है या समाल के हाथों से। माधारण सी दिखने वाली समाल की बहादुरी देखकर निर्मला किन भी। सफाल ने आधिक जबहें फाद दिए। सींच गुरसे से बहुत छटपटाया।

एक ध्रम के लिए लग कि उसको सकत के सामने शायर संयाल न टिक सके। लेकिन जबई खुलते हो संयाल करनाई, "अपना पेर निकास, निर्माण करका पे. करका दे।" उसने अजगर के जबहों को पूरी तरह शाले स्क्रा विमंत्र ने उसके जबहें से पैर तो मुका किया लेकिन कुंडली अभी भी कसी हुई भी। आधिर दोनों ने लोर लगाय

शब्दार्थ

- 28. चीख चीत्कार
- 29. घिग्घी बँधना मुहावरा डर से आवाज़ का बंद होना
- 30. भय डर
- 31. दृश्य Scene
- 32. अजगर Python
- 33. पलक Eyelid
- 34. घुटना Knee
- 35. कुंडली सर्पिल, पेंचदार, घुमावदार
- 36. सख्त कड़ा
- 37. हड्डी अस्थि
- 38. पंजा Paw
- 39. एकदम पूरा
- 40. झटकारने झटके से दूर करना
- 41. तिलमिलाना क्रोधित होना
- 42. हिम्मत साहस

कार्य प्रपत्र-२.

निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए |

- १.साँप कितना फीट लंबा था ?
- २.साँप क्यों उछला ?
- 3.निर्मला चीखना चाहती पर भय के कारण उसकी क्या बंध गई ?
- ४.निर्मला क्यों भाग नहीं सकती थी?
- ५.निर्मला को ऐसा क्यों लगा कि अब वह मर जाएगी ?

- ६.निर्मला भाग नहीं सकी, क्यों ?
- ७.दोनों ने ज़ोर किस लिए लगाया ?
- ८.सयाल को साँप अपना शिकार क्यों बनाना चाहता था ?
- ९.किसने अपनी पीड़ा को सहने के लिए साहस बटोरा ?
- १०.निर्मला हैरान क्यों थी ?

LN-3, पृष्ठ – उन्नीस , बीस |

तो कुंदरनी का दबाव क्रम हुआ। संस्थात ने इतनी और से झरका दिया कि निर्माण और की कुंदरनी से सुरुवार दूर का गिरों। अब सींप का शिकार संस्थान थी।

संयाल ने निर्माल को भाग जाने के लिए कहा। लेकिन वह ऐसा न कर सकी। यह सबाल को मदद करना चलती थी। उसने देखा अक्टार संयाल पर बार-बार हमाना कर रहा है और संयाल बढ़े साहम से उसका सामना कर रही है। निर्माल ने एक क्षण के लिए होना कि ऐसी स्वानी के की

निर्माला ने एक बाण के लिए संदेश कि ऐसी माहरमें और मीर सवाल में में व्यर्थ हो फिटती सी। आब यह न होती तो यह दैतर मुझे खा जाता और अब इस दैत्य से में सवाल को नहीं बचा पा रही हूं।

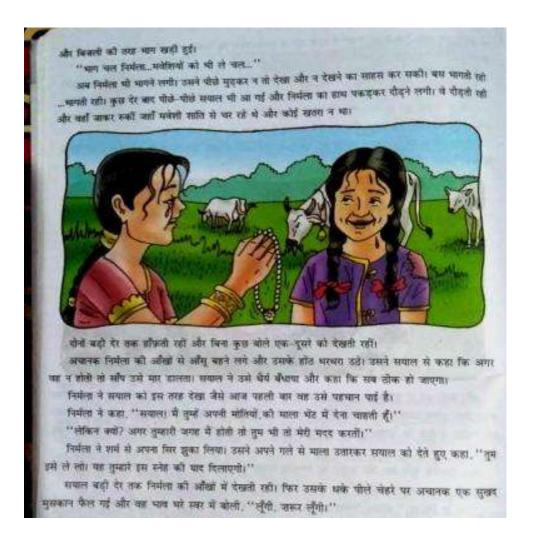
संयाल पूरी ताकत से अजगर के मूँह को एकड्कर पीछे हटाने में लगी थी। संयाल के कथित कथ बता गई स कि अब उसकी गाँका शिक्षिण बढ़ रहा है।



साँप बड़ी खोर से फुफकारा। उसने एक कर फिर अपना सिर नवाचा और सवान की शासी के वाग जा गया। संबाल फिर उसके जबड़े पकड़कर उसे पीछे इटाने लगी। उसने एक कर किए तिसंगा को था। वाने के लिए कहा। तथी निर्माण ने देखा कि अजगर संबाल को गिराका उसके कपर पदा है। एक धंग के लिए संपाल विशानुतन बड़ हो गई।

बहुत भ्रमानक दूरव था। साँच सवाल को निगतना चाहता था और सवाल दिग्यत से उसका मुकाबला कर सी थी। उसकी आवास कमजोर हो रही थी। निमंता ने सवाल की चीमी आवास सुनीः..

"भाग जा निर्मला!" लॉकन निर्मला अब केस्रे भागती, अपनी सहेली को मीत के मुंत में बालकर भाग जाती? सभी समने देखा कि समाल में अम्भूत लॉक्त आ गाँ है। उसने एक बार में उस देख को सटककर दूर केक दिया



शब्दार्थ

- 43. निर्भीकता बिना डर के
- 44. वार हमला
- 45. लाठी सोंटा, Blackjack
- 46. ज़हर विष
- 47. शांत Calm
- 48. मदद Help
- 49. दैत्य राक्षस
- 51. जबड़ा Jaw
- 52. साधारण सामान्य
- 53. टकटकी लगाना मुहावरा लगातार देखना
- 54. खून लहू
- 55. दाँत भींचना मुहावरा पूरी ताकत लगाना
- हैरान चिकत
- 57. माथा ललाट, Forehead

कार्य प्रपत्र -३

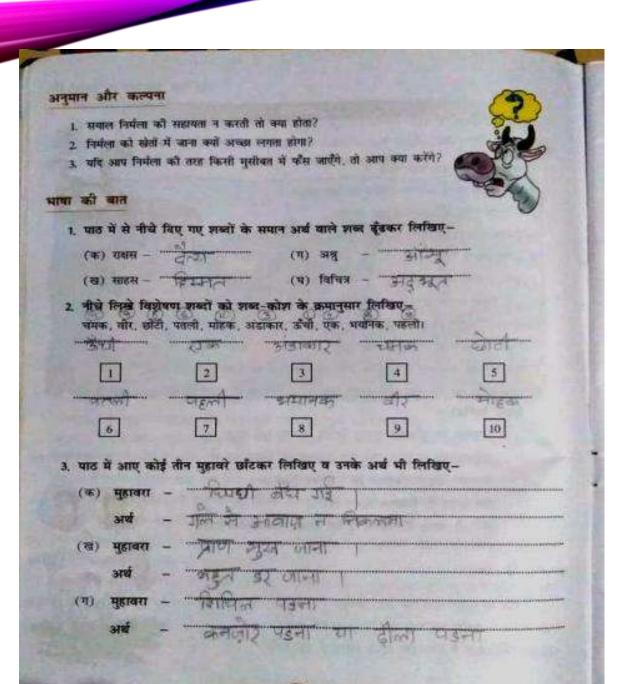
निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

- .श.सयाल ने निर्मला को साँप की कुंडली से कैसे छुडवाया ?
- २.सयाल किस प्रकार अजगर का सामना कर रही थी ?
- 3.सयाल के काँपते कँधे क्या बता रहे थे ?
- ४.साँप, फुफकारने के बाद, किसे अपना शिकार बनाया ?

- 4.अचानक निर्मला की आँखों से आँसू क्यों बहने लगे ?
- ६.निर्मला ने सयाल को भेंट स्वरूप क्या दिया ?
- ७.अपने किन गुणों के कारण सयाल ने निर्मला को बचाया ?
- ८.इस कहानी से तुम्हे क्या शिक्षा मिलती है ?

पुस्तक के प्रश्नोत्तर |

	अध्यास
पाठ	# # #
13	। सवाल को सब क्यों पसंद करते थे?
1 3	. साप प्लारा पकाई आने पर विर्माला को क्या लगा?
3	. स्वीप पर हमला किसने और कैसे किया?
14	. निर्माला ने स्वयं को बचते देख और सवाल को अजगर का शिकार करते देख क्या सीमा?
5	रिक्त स्थान भरिए-
	(क) सथाल के पिता का नाम
	(ख) कुछ फलाँग की दूरी पार करने के बाद निर्माला की और मुद्र गई
	(ग) निर्मेला ने भी अपनी पीड़ा को सहने के लिए
	(भ) एक क्षण के लिए संवाल बिलकुल हो गई।
	(क) निर्मला ने सवाल से कहा कि अगर वह न होती तो साँप उसे डार
6	, पाठ के आधार पर नीचे कुछ वाक्य विए गए हैं। कहानी की घटनाओं के अनुसार उनके आगे
	संख्या लिखिए-
	अचानक यह फुफकार सुनकर निर्मला के प्राण सूख गए।
	निर्मला खुशी से उछल पड़ी और मवेशियों को हीकते हुए गाँव के भूल भरे गस्ते पर चल प
	अधानक साँप पर किसी ने लाड़ी से बार किया।
	साँप संयाल को निगलना चाहता था।
	गायों की घटियों की आवाज सुनकर सवाल ने इधर-उधर देखा।
	- Carrier Control of the Control of
7-8	त के लिए
_	, , ,
114	संयाल के करिये क्या बता रहे थे?
2.	संयाल ने निर्माला को भाग जाने के लिए क्यों कहा? आपको स्कूल में क्या-क्या अच्छा लगता है और क्यों?



जीवन मृल्य

- निर्मला और सवाल दोनों मित्र थीं।
- ा क्या सयाल ने निर्मला से मित्रता निमाई? कैसे?
- अाप अपने मित्रों में कीन-कीन से गुण देखना चाहेंगे और क्यों?

कुछ करने के लिए

- अभिनय द्वारा अपने चेहरे से दिए गए भावों को अभिव्यक्त कोजिए-
 - (क) गुस्से से छटपटाना
 - (ख) टकटकी लगाकर देखना
 - (ग) भयभीत होना
 - (घ) कुढ्ना
 - (ङ) रुआँसा होना
- (च) खुश होना
- अगर निर्मला पर हाथी ने हमला किया होता तो सवाल उसे कैसे बचाती? अपनी कल्पना से कहानी बनाइए और कथा में सुनाइए।



पाठ में से

- 1. सयाल एक प्यारी लड़की थी। उसकी मुस्कान अच्छी होने के साथ साथ वह पढ़ाई-लिखाई में होनहार, घरेलू काम-काज में दक्ष और व्यवहार में कुशल थी, जिस वजह से सभी उसे पसंद करते थे।
- 2. साँप के द्वारा पकड़े जाने पर निर्मला को लगा कि अब वह निश्चय ही मर जाएगी।
- 3. साँप पर हमला सयाल ने लाठी के वार से किया।
- 4. निर्मला ने स्वयं को बचते देख और सयाल को अजगर का शिकार करते देख मन ही मन यह सोचने लगी कि मैं व्यर्थ में ही सयाल से चिढ़ा करती थी। आज अगर यह नहीं होती तो अजगर रूपी दैत्य मुझे खा ही जाता।

बातचीत के लिए

- 1. सयाल के काँपते कंधे यह बता रहे थे कि अजगर से लड़ते-लड़ते उसकी शक्ति भी कम पड़ने लगी थी।
- 2.सयाल ने निर्मला को भाग जाने के लिए कहा क्योंकि वह निर्मला की जान बचाना चाहती थी और उसके मन में यह बात भी होगी कि निर्मला जल्दी से जाए और मदद लेकर आए ताकि अजगर को मारा जा सके।
- 3. मुझे स्कूल में साहित्य पढ़ना और चित्रकारी करना बहुत अच्छा लगता है क्योंकि साहित्य में मुझे अनेकानेक नैतिकता और समाज से जुड़ी बातें सीखने को मिलती हैं और चित्रकारी में मैं अपने भावों को साकार रूप प्रदान करता हूँ।

अनुमान और कल्पना

- सयाल निर्मला की सहायता न करती तो अजगर निर्मला को अपना भोजन बना लेता और मानवता फिर से एक बार कलंकित हो जाती।
- 2. निर्मला को खेतों में जाना अच्छा लगता होगा क्योंकि खेतों में जाने से उसे पढ़ाई नहीं करनी पड़ती होगी और वह खेल-कूद और पेड़ों से फल तोड़कर खाने में समय बिताती होगी।
- 3.यदि मैं निर्मला की तरह किसी मुसीबत में फँस जाऊँगा तो अपने स्तर पर पहले समस्या से बाहर निकलने की कोशिश करूँगा और अगर ऐसा नहीं हुआ तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति से मदद लूँगा।

भाषा की बात

- 1.क. राक्षस दैत्य
- ग. अश्रु ऑसू
- ख. साहस हिम्मत घ. विचित्र अनोखा
- 2. 1. अंडाकार
 - 2. ऊँची
 - 3. एक
 - 4. चमक
 - 5. छोटी
 - 6. पतली
 - 7. पहली
 - 8. भयानक
 - 9. मोहक
 - 10. वीर

3.क. मुहावरा - घिग्घी बँधना

अर्थ - डर से आवाज़ का बंद होना

ख. मुहावरा - टकटकी लगाना

अर्थ - लगातार देखना

ग. मुहावरा - प्राण सूखना

अर्थ - डर जाना

जीवन मूल्य

- 1.हम रोकर, घबराकर या गुस्से में किसी मुश्किल परिस्थिति का सामना नहीं कर सकते हैं क्योंकि ये सारे कमज़ोर मनुष्य की निशानियाँ होने के साथ-साथ खोखले व्यक्तित्व की पहचान भी है।
- 2.गुस्से या क्रोध को शांत करने के लिए हमें अपने आप से सवाल करना चाहिए कि क्या क्रोध से मेरा कुछ भी लाभ हो रहा है? उत्तर यही मिलेगा कि नहीं। इसके अलावा गुस्से या क्रोध को शांत करने के लिए हमें शांतचित्त से एकांत में बैठ जाना चाहिए।

कुछ करने के लिए

 त्योहार का नाम महीने का नाम

क. होती फागुन

ख. दीवाली कार्तिक

ग. सरस्वती पूजा माघ

घ. दुर्गा पूजा आश्विन

ङ. मकर संक्रांति पौष/माघ

च. रामनवमी चैत

2. बारिश आई छम छम छम लेकर छाता निकले हम पैर फैसला गिर गए हम नीचे छाता ऊपर हम

धन्यवाद